जयपुर महानगर टाइम्स

कला जो रहेगी जिंदगी भर साथ.. कलाई पर गोदना बनवाते हाथ

न्यूज-ब्रीफ

नहीं मिली पगार, ऊपर से टैक्स

महानगर संवाददाता

जयपुर, 11 मार्च। राज्य के अनुदानित स्कूल, कॉलेज और प्रबंधन कार्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं कर्मचारियों को लम्बे अर्से से पगार ही नहीं मिल पा रही है, जिससे इनकी आर्थिक स्थिति गड़बड़ा गई है। इसके साथ ही इस माह आयकर जमा करवाने की अनिवार्यता के चलते इनकी स्थिति कोड़ में खाज लगने जैसी हो गई है। राजधानी के कई अनुदानित स्कूलों में शिक्षक, कर्मचारियों को विगत जुलाई और अगस्त माह के बाद से पगार नहीं मिल पा रही है। इसके पीछे वजह यह बताई जा रही है कि राज्य सरकार की ओर से इन संस्थाओं के लिए अनुदान राशि की स्वीकृति नहीं दिए की वजह से इन्हें वेतन नहीं मिल पा रहा है। खंडेलवाल स्कूल, वैदिक बालिका, श्रीकाशी बाई छगनलाल झावेरी उ.मा.वि. समेत अन्य कई संस्थानों के शिक्षक एवं कर्मचारियों को पगार नहीं मिल पा रही है। इन कर्मचारियों का कहना है कि सरकार की ओर से जारी अघोषित अनुदान कटौती से पहले ही अनुदानित संस्थाओं के कर्मचारियों को पूरा वेतन नहीं मिल पाने से खराब आर्थिक स्थितियों का सामना करना पड़ रहा था। ऊपर से अब रहा सहा वेतन भी नहीं मिलने से हालत और बदतर हो गई है। साथ ही आयकर के दायरे में आने वाले कर्मचारियों को इस माह 31 मार्च तक आयकर जमा करवाना है। ऐसे में इन कर्मचारियों का कहना है कि जब उन्हें पिछले महीनों की सेलेरी ही नहीं मिली तो भला वे कैसे खराब आर्थिक स्थिति में आयकर जमा करवा सकते हैं। अनुदानित को सरकारी सेवा में समायोजन किए जाने की मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बजट घोषणा में अस्पष्टता को लेकर भी इन कर्मचारियों में संशय की स्थिति है। ये कर्मचारी अपने समायोजन को लेकर अभी भी चिंतित है।

पिछले माह से स्कूल स्टॉफ को पगार नहीं मिली है। पहले ही पूरी तनाख्वाह नहीं मिलती थी। अब वो भी नहीं मिल रही है।

*-**विजय उपाध्याय,** शिक्षक खण्डेलवाल बॉयज स्कूल*

प्रदेश की अधिकतर अनुदानित शिक्षण संस्थाओं में कार्यरत कर्मचारियों को पिछले कई माह से तनख्वाह ही नहीं मिल पा रही है। जबकि शिक्षकों को इस माह आयकर जमा करवाना है। ऐसे में इन शिक्षकों की स्थिति कोड़ में खाज जैसी हो गई है।

*-**अमर मंडावरा,** वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजस्थान अनुदानित विद्यालय शिक्षक कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति*

मानव-मवेशी प्यासे, कूलर पीएंगे पानी!

6 करोड़ लीटर तो कूलर ही गटक जाएंगे, 8 करोड़ लीटर पानी की रहेगी गर्मियों में जरूरत

महानगर संवाददाता

जयपुर, 11 मार्च। गर्मी के मौसम में आने वाले पेयजल संकट के सामने जलदाय विभाग के उपाय बौने साबित हो रहे हैं। वर्तमान पेयजल आपूर्ति से तुलना की जाए तो राजधानी के लिए 8 करोड़ लीटर पानी प्रतिदिन की जरूरत होगी, जिसमें से 6 करोड़ लीटर तो रोजाना कूलर ही गटक जाएंगे।

जलदाय विभाग के आंकड़ों के अनुसार जयपुर शहर में पानी के तीन लाख से अधिक उपभोक्ता है। एक उपभोक्ता के पास एक कूलर भी माना जाए तो राजधानी में कूलरों की संख्या तीन लाख पहुंचती है। चौबीस घंटे में 200 लीटर पानी एक कूलर द्वारा खपत होती हैं। ऐसे में राजधानी में कूलरों के लिए रोजाना 6 करोड़ लीटर पानी की जरूरत पड़ेगी।

कंटीजेंसी प्लान के दूसरे चरण में स्वीकृत हुए ट्यूबवेलों के खुदने के बाद भी महज एक करोड़ 70 लाख लीटर पानी ही मिल पाएगा। अभी तक आपदा प्रबंध के दूसरे चरण के केवल चार पांच ट्यूबवेलों की खुदाई ही चल रही है। जलदाय विभाग के ठेकेदारों ने कार्य बहिष्कार वापस नहीं लिया है इसलिए पूरी गर्मी तक ट्यूबवेलों की खुदाई का काम पूरा होना मुश्किल हो जाएगा। राजधानी में अभी 1874 ट्यूबवेल, करीब 2000 हैंडपंप और 125 के लगभग सिंगल फेज ट्यूबवेल है। इनसे जयपुर शहर में करीब 34 करोड़ लीटर पानी की प्रतिदिन सप्लाई की जा रही है। इसमें 320 लाख लीटर पानी बीसलपुर से मिल रहा है। पानी की कमी के चलते पूरे जयपुर शहर में एक समय पेयजल आपूर्ति चल रही है। 1800 टैंकर ट्रिप पानी का शहर में रोजाना परिवहन किया जा रहा है। गर्मी में जयपुर शहर के लिए 42 से 45 करोड़ लीटर पानी की जरूरत जलदाय विभाग के अधिकारी मानकर चल रहे हैं। आने वाले समय में संभावित पेयजल संकट को लेकर जलदाय विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी चिंतित है। वे इस बात से भी इंकार नहीं कर रहे कि दूसरे चरण में स्वीकृत ट्यूबवेलों से भी आपूर्ति होना मुश्किल है। एक ट्यूबवेल से 2 लाख लीटर पानी प्रतिदिन मिलने का अनुमान हैं। ऐसे में 85 ट्यूबवेल खुद भी जाएं तो भी उनसे एक करोड़ 70 लाख लीटर पानी ही मिल सकेगा। उसके बाद भी 6 करोड़ लीटर पानी की जयपुर को जरूरत रहेगी। इसकी पूर्ति के लिए विभाग के पास अभी तक कोई बंदोबस्त नहीं है।

आपदा प्रबंध के दूसरे चरण में स्वीकृत ट्यूबवेलों में से 4-5 ट्यूबवेलों की खुदाई का काम चालू कर दिया है। गर्मी में पानी की कमी रहेगी इससे इंकार नहीं किया जा सकता। साधनों के अनुरूप पूरा पानी मुहैया करवाने की कोशिश की जाएगी।

*-**बी. कृष्णन,** अधीक्षण अभियंता नगर वृत्त जयपुर*

ठेकेदारों की नाराजगी: नए ट्यूबवेलों की निविदाओं का पिछले कई महीनों से जलदाय विभाग के ठेकेदार बहिष्कार कर रहे हैं। संकट को देखते हुए जलदाय विभाग के अधिकारियों ने ठेकेदारों की कुछ मांगें तो मान ली है लेकिन सिंगल फेज और हैंडपंपों के भुगतान को लेकर उनकी मांगें अभी तक नहीं मानी गई है, राजस्थान पीएचईडी कांट्रेक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष अमर विश्नोई ने आरोप लगाया कि जलदाय विभाग जयपुर शहर की पेयजल आपूर्ति के प्रति गंभीर नहीं है।

सरकारी पार्किंग पर प्राइवेट वाहन.. *कलेक्ट्रेट परिसर में राजकीय वाहनों के लिए छोड़ी गई पार्किंग की जगह पर जो मर्जी खड़ी कर देता है गाड़ी।* *फोटो: महानगर*

बलाई समाज की महापंचायत 14 को

जयपुर, 11 मार्च (मसं)। राजस्थान प्रदेश बलाई समाज जागृति महासंघ द्वारा 14 मार्च को समाज की महापंचायत आमेर स्थित देगड़ावास गांव में आयोजित होगी। महासंघ के अध्यक्ष भगवान सहाय बुनकर ने बताया कि महापंचायत में बलाई समाज की एकता, राजनीतिक ताकत दिखाने, कुरुतियों से छुटकारा और बलाई समाज के उत्थान के लिए आयोजित इस महापंचायत में अनेक सामाजिक संगठनों के जनप्रतिनिधि भाग लेंगे। राजस्थान मेघवंशी कल्याण परिषद के अध्यक्ष कैलाश गोरासरा, बलाई समाज जन जागरण अभियान के संयोजक एस.एम. गांधी, सह संयोजक भैरूलाल जाटावत, महापंचायत को संबोधित करेंगे। महापंचायत के मुख्य वक्ता समाजसेवी गोपाल डेनवाल होंगे।

आर्थिक तंगी में उजड़ गई कोख!

महानगर संवाददाता

जयपुर, 11 मार्च। मोहल्ले में आसपास के घरों से रोटी और कपड़ा मांग कर पेट पाल रही शान्ति देवी जाटव जिंदगी से संघर्ष करते-करते अब बुरी तरह टूट चुकी है। लेकिन राज्य सरकार से उसे अभी तक पेंशन के नाम पर फूटी कौड़ी का भी सहयोग नहीं मिला। दूसरों की दया पर आश्रित रह कर पिछले सात साल से उतरन पर जिंदगी काटने पर मजबूर शान्ति देवी का अब कोई सहारा नहीं रहा। पिछले कई वर्षों से इधर-उधर से मांग कर अपना गुजारा चला रही बेवा को सहारा देने वाली दो संतान भी बचपन में ही परिवार की तंग हालत के चलते दम तोड़ गई, अब इस अभागी का दुनिया में कोई सहारा ही नहीं रहा। बस इसी चिंता में वह दिन रात सूखती जा रही है। ऐसी स्थिति में यह गरीब और बदनसीव महिला अपनी पीड़ा आखिर किससे बयां करें !

उतरन पर कटती बेवा की जिंदगी, भीख मांगकर गुजारा करना मजबूरी

शान्ति ने बताया कि सात वर्ष पूर्व उसके पति के पेट में दर्द हुआ और दो तीन दिन बाद जब ज्यादा तबियत खराब हुई तो आस पडौ़स से पति के इलाज के लिए पैसा भी मांगा लेकिन लोगों ने पैसा देने से भी इनकार कर दिया। ऐसी स्थिति में तंग आर्थिक बदहाली के चलते वह पति का इलाज नहीं करा सकी और उनकी मौत हो गई। तब से आज तक यह बेवा कभी बेलदारी करती है तो कभी आस-पास के घरों में झाडूं पोंछा। अगर इसे कोई काम नहीं मिलता है तो वह दो पांच कॉलोनियों से कचरा बीन कर और उसे बेच कर अपना गुजारा चलाती है। दूसरों के कपड़ों की उतरन पर अपना गुजारा कर रही इस अभागी को किसी भी दिन भरपेट खाना तक नसीब नहीं होता। शान्ति ने बताया कि जब उनका पति रामसिंह जिन्दा था तब उसे किसी से कोई शिकायत नहीं थी लेकिन पति की मौत के बाद तो मुझ अभागी को दर-दर की ठोकरें खाने के अलावा कुछ हाथ नहीं लगा।

शान्ति सब जगह से मजबूर होकर शिप्रापथ थाने के सामने झोपड़ी डाल कर रह रही है। शान्ति ने बताया कि भगवान से बड़ी मिन्नतों के बाद उसे दो जुड़वां पुत्र मिले लेकिन बचपन में वह तीन साल तक लगातार बीमार रहे, पास में पैसा नहीं होने के कारण ये दोनों मासूम भी आर्थिक कंगाली की भेंट चढ़ गए और ये अभागिन अपना वंश खत्म हो जाने के बाद बूत बनकर रह गई! शान्ति कहती है कि वह विधवा पेंशन का तो फार्म भरना चाहती है लेकिन उसके पास न तो राशन कार्ड है और न ही अपना कोई परिचय पत्र। इस अभागी के पास अपने पति का मृत्यु का प्रमाण पत्र भी नहीं बना हुआ है। ऐसी स्थिति में इसे विधवा पेंशन का भी लाभ नहीं मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में इस बेवा ने समाजसेवियों से भी सहायता की गुहार की लेकिन इसकी तरफ किसी ने कोई ध्यान नहीं दिया। अनपढ़ शान्ति यह भी नहीं जानती कि वह इस समस्या से निजात पाने के लिए किस जगह अपनी बदनसीबी की गुहार पेश करे।

लकवाग्रस्त कुत्ते के लिए बनाई अनोखी व्हील चेयर

महानगर संवाददाता

जयपुर, 11 मार्च। कोशिश करने पर सब कुछ संभव है। इसी सोच के साथ विकलांग व अक्षम व्यक्तियों के लिए उपकरण तैयार करने वाले रमन तनेजा ने पिछले पैरों से लकवाग्रस्त कुत्ते के लिए ऐसा व्हील चेयर उपकरण तैयार किया है जिससे अब वो मजे से चल-फिर और दौड़ सकता है। लेब्राडोर नस्ल का 4 माह का यह मूक प्राणी भले ही अपनी खुशी शब्दों में व्यक्त न कर पाए लेकिन इसके हावभाव से अपने पैरों पर चल सकने की खुशी का अंदाजा बखूबी लगाया जा सकता है।

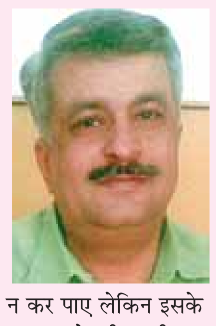

प्रताप नगर, सांगानेर के अभिषेक साहा को अपनी पपी डॉग से बहुत लगाव है। उनकी हार्दिक इच्छा थी कि कोई ऐसा उपाय हो जिससे उनका प्यार डॉग सामान्य कुत्तों की तरह चल फिर और दौड़ सकें। उन्होंने कई जगह संपर्क किया लेकिन निराशा ही हाथ लगी। लेकिन साहा प्रयास करते रहे फिर किसी ने उन्हें राजापार्क, गली नं. 4 जयपुर स्थित सर्जिटेक, जो विकलांग व असहाय व्यक्तियों के लिए विभिन्न उपकरण तैयार करती है, के रमन तनेजा के पास जाने की राय दी। कुत्ता पालने के शौकीन रमन तनेजा ने इस चुनौती को स्वीकार किया और इस डॉग के लिए कई तरह के उपकरण बनाए और उन्हें आजमा कर देखा। आखिर वो इस डॉग के लिए ऐसी व्हील चेयर बनाने में सफल रहे जिसकी सहायता से अब यह कुत्ता चल फिर ही नहीं, दौड़ भी सकता है। इस व्हील चेयर को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि डॉग के बड़े होने पर इसे भी उसकी बढ़ती ऊंचाई व लम्बाई के साथ एडजस्ट किया जा सके व बार-बार नया उपकरण बनाने की आवश्यकता न पड़े।

रमन तनेजा के अनुसार उनके रिहेबिलिटेशन एड बनाने के 20 वर्षों में उन्होंने विकलांग व्यक्तियों के लिए तरह-तरह के उपकरण बनाए। लेकिन यह पहला अवसर था जब उन्हें किसी पशु के उपयोग के लिए उपकरण तैयार करना था। इसे चुनौती के रूप में लेते हुए उन्होंने इसे स्वीकार किया और इसमें सफल रहने में जो आत्मसंतुष्टि व सुखद अहसास हुआ उसे व्यक्त करना कठिन है। उनकी संस्था सर्जिटेक, रिहेबिलिटेशन सेंटर, आरआरसी, एसएमएस महावीर विकलांग समिति, दुर्लभजी अस्पताल व जेके लोन आदि संस्थानों के रोगियों के लिए रिहेबिलिटेशन इक्विपपेंट तैयार करती है। रमन तनेजा के इस आविष्कार से अब उन पशु प्रेमियों को भी प्रसन्नता होगी, जिनके पेट्स में किसी प्रकार की विकलांगता है और कोई उपाय न होने के कारण अब तक ऐसे पेट्स को इंजेक्ट कर विदा करना पड़ता था।

गोबिंद के दरबार में मचेगी अखंड संकीर्तन की धूम

महानगर संवाददाता

जयपुर, 11 मार्च। आराध्य गोविन्ददेवजी मंदिर में 13 और 14 मार्च को अखण्ड संकीर्तन की धूम मचेगी मां आनंदमयी आश्रम दिल्ली की ओर से आयोजित इस अखण्ड संकीर्तन में भगवान का संकीर्तन किया जाएगा। मां आनंदमयी के श्रद्धालु इस आध्यात्मिक आयोजन की तैयारियों में जुटे हैं। ए के शर्मा के संयोजन में अनेक कार्यकर्ता अष्टयाम अनुष्ठान की तैयारियां कर रहे हैं। शर्मा ने बताया कि जयपुर में पहली बार हो रहे इस आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में अच्छा खासा उत्साह है। दो दिवसीय अखण्ड संकीर्तन में अनेक कलाकार अपनी हाजिरी देंगे।

मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में होने वाले इस आयोजन का शुभारंभ 13 मार्च को सवेरे नौ बजे पूजन से होगा। 14 मार्च को प्रात: 11 बजे इसका विश्राम होगा। उल्लेखनीय है कि धार्मिक जगत में भगवन्नाम का अत्यधिक महत्व है। चैतन्य महाप्रभु इस संकीर्तन के प्रणेता माने जाते हैं। चैतन्य महाप्रभु भगवान विष्णु का अवतार माने जाते हैं। उनका जन्म 18 फरवरी, 1486 को होली की पूर्णिमा के दिन पश्चिम बंगाल के नदिया ग्राम में हुआ था। इस दिन ग्रहण के बाद सभी ग्रामवासी संकीर्तन करते हुए गंगा स्नान कर रहे थे, ऐसी पावन बेला में उनका प्रादुर्भाव हुआ था। चैतन्य महाप्रभु ने सामाजिक रीति रिवाजों को तोड़ते हुए सभी धर्म, जाति व समुदाय के लोगों को प्रश्रय दिया तथा ईश्वर भक्ति में सम्मिलित कर समाज को एक नई दिशा दी। उनके द्वारा बताया गया कि कलियुग में नाम संकीर्तन ही पापों से छूटने का एक मात्र उपाय है। उनके द्वारा भक्ति का मार्ग दिखाया जो वर्तमान में भी निरंतर जारी है।

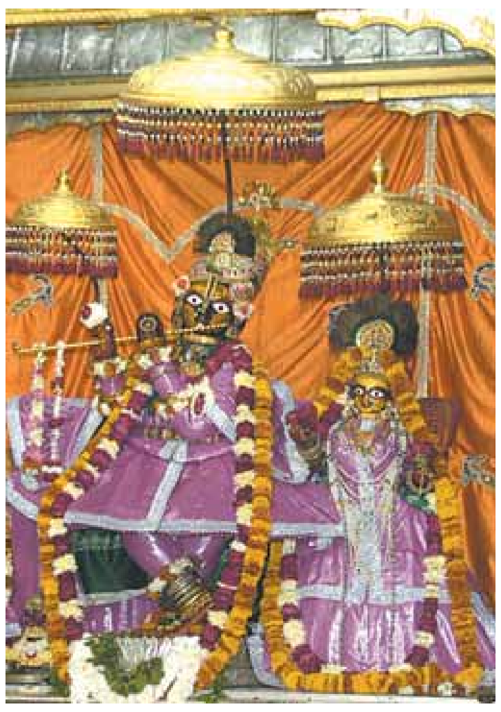

गोविन्द देवजी के साथ में स्थित राधाजी का विग्रह पूर्व में वृंदावन में स्थित था। सुरक्षा की दृष्टि से एक ब्राह्मण इसे उड़ीसा के रामनगर में ले गए। उनकी मृत्यु के बाद उड़ीसा के राजा प्रताप रूद्र ने इन्हें अपने महल में स्थापित किया। गोविन्द देवजी के प्राक्टय का समाचार पाकर उन्होंने 1633 में धूमधाम से गोविन्ददेवजी से उनका विवाह संपन्न कराया। गोविन्ददेवजी की इस सेवा के लिए विशाखा सखी को सवाई महाराजा राजा जय सिंह ने वर्ष 1727 में तथा ताम्बुल सेवा के लिए वर्ष 1801 में महाराज सवाई प्रताप सिंह ने ललिता सखी को स्थापित किया मंदिर के सेवाधिकारियों द्वारा पूजित शालिगराम तथा जुगल किशोरीज्यूं भी मंदिर में विराजमान है।

ब्रज होरी 14 को: ब्रज सुर मंडल 14 मार्च को रविन्द्र मंच पर शाम 7 बजे ब्रज होरी 2010 का आयोजन करेगा। इसमें ब्रज अंचल के 125 लोक कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देकर ब्रज क्षेत्र की संस्कृति को साकार करेंगे। इसमें चुटकुला, मयूर नृत्य, बम रसिया, फूलों की होली, मथुरा की रासलीला सहित अनेक आयोजन होंगे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ब्रजवासियों द्वारा श्रीकृष्ण के संग होली खेलना होगा। 101 वर्षीय नेमीबाबा अलगोजा बजाएंगे। ढाई फीट के कलाकार नारायण सिंह बैगनियां लागुरिया नृत्य करेंगे।

दूषित पानी को लेकर पहले मचे बबाल से सावचेत जलदाय विभाग

पानी की शुद्धता पर रहेगी कड़ी निगरानी

महानगर संवाददाता

जयपुर, 11 मार्च। गर्मी के मौसम में जल जनित बीमारियों की रोकथाम एवं पेयजल की बेहतर गुणवत्ता के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी और कर्मचारी कड़ी निगरानी रखेंगे। जलदाय विभाग इस काम को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से करेगा। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के मुख्य अभियंता ने पानी की गुणवत्ता की जांच के लिए परिपत्र जारी कर दिया है। मुख्य अभियंता ने विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ उपभोक्ताओं को सतर्कता व संवेदनशीलता बरतने की हिदायत दी है। जलदाय विभाग के सभी अभियंताओं के लिए जारी किए गए परिपत्र में प्रदेश में नियमित और व्यवस्थित पेयजल आपूर्ति के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए है। ब्लीचिंग पाउडर अथवा लिक्विड क्लोरीन से जलशुद्ध किए जाने की सतत् प्रक्रिया को नियमित रखने के निर्देश भी इसके साथ जारी किए है। आपूर्ति के समय पेयजल वितरण प्रणाली के अंतिम छोर पर अवशेष क्लोरीन की मात्रा समय-समय पर जांच करने के कार्य को अनिवार्य किया गया है। गंदे पानी की शिकायत तथा क्षेत्र विशेष से बीमारीयां फैलने की सूचना मिलने पर क्लोरीन की मात्रा बढ़ाए जाने के निर्देश परिपत्र में दिए गए हैं। लिकेज व क्रोस कनेक्शन को सर्वोच्च प्राथमिकता से ठीक करने के साथ ही गंदे नाले व साकपीट से निकलने वाली सर्विस लाइन को चिन्हित कर तुरन्त आवश्यक कार्यवाई पर जोर दिया गया है। पम्प सैट खराब होने की स्थिति में 24 घंटे में पेयजल आपूर्ति पुन:बहाल करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य अभियंता मुख्यालय एम.के.एम. जोशी ने बताया कि गर्मी के मौसम में पेयजल आपूर्ति नियमित रूप से संचालित करने के साथ उपभोक्ताओं तक शुद्ध पानी पहुंचाने के लिए परिपत्र जारी किया गया है।

CMYK